

ब्रह्मायणेर

उठवाकाण्ड

पाठं ओ पर्यालोचना

Feb 22

ड. शिखा चट्टोपाध्याय

क्रोधसंभ्रुको वरुमाहाय विष्टितः॥ आकणाश्च विकृष्या यत इव हृदिनां
अमानस्य तस्या अहो ह्यंतदा न वत्॥ सर्वाङ्गत्वा सिध्यमानं रूपमग्रे विवा
मवोरस्तस्य निर्निद्य प्रविवेनास्मात्तलं॥ स्नात्वास्मात्तले दिव्यः शरो वि
दृष्टं वदन् शरनिर्नित्रो लवणः सनिशाचरः॥ पपात सहसा न्मौ वज्राहत
सो शरं सर्वभूतानां रुद्रस्य करमवगात्॥ ततः स देवर्षिगणाः सुपर्णा प्रसृजि
यि श्यालोकाः सर्व एव प्रसन्नाः॥ एकेषु पाते न नयं निहत्स्य लोकत्रयस्या पिरघु
करुसंभ्रुः॥ सुभ्रुको डेलवणवधो न्यमसर्गः॥॥ हते तु लवणे देवाः संश्र
तत्स दिश्या लवणं राक्षसः॥ हतः उरुषत्रा हूलः वरं
ः॥ दि
यं दर्शनं च नः॥ देवानां नाशितं क्रत्वा तदा मूर्द्धि
मवा
मती
दिव निर्दिता॥ निवेनां प्राप्नुयाञ्छी अमेष एव परो वर
ता॥ तथा चोक्त्वा प्रहा वा हो दिवं ते विविशुस्तदा॥ शत्रु
विनाशनं॥ निवेनां च शत्रुविघ्नः श्रवणे न तदा करोत
कृतो मया॥ देवाणि शस्यंती नि कालो देवः प्रवर्षते
ना॥ शोभिता राजमार्गेण ज्ञानापण विभूषिता॥ उद्या
क्रान्नाय मुना तीरमा
ता॥ श
ताय ह सुखैश्च वत्स रैरोपणे स्तथा॥ ना
थः शत्रुघ्नो लक्ष्मणा उज
निरीद
मस्मी तां परं हर्ष
पणपसृद्धिः॥ तता

রামায়ণের উত্তরাকাণ্ড :
পাঠ ও পর্যালোচনা

সম্পাদনা

ড. স্নিগ্ধা চট্টোপাধ্যায়

ব্যঞ্জনবর্গ

সূচিপত্র

ভারতীয় রামকথা	৭
জ্যোৎস্না চট্টোপাধ্যায়	
অনুবাদে ভাষা-রামায়ণ : সেকাল-একাল	২০
সনৎকুমার নস্কর	
রামায়ণের উত্তরাকাণ্ড : বাল্মীকি থেকে কৃত্তিবাস	৪৪
শীলা ভট্টাচার্য	
কৃত্তিবাস কবি মানসে রামায়ণের উত্তরাধিকার : উত্তরকাণ্ড প্রসঙ্গ	৫৭
সুতপা রায়	
কৃত্তিবাসের জীবন-কথা	৬৮
বর্ণালি হাজারা	
কৃত্তিবাসি রামায়ণের বিশেষত্ব	৭৪
শাস্ত্রী সিন্হাবাবু	
✓ রামায়ণের উত্তরকাণ্ডের পৌরাণিকতা	৭৮
চন্দন খাঁ	
উত্তরাকাণ্ড : নামকরণ ও সংক্ষিপ্তসার	৮২
স্নিগ্ধা চট্টোপাধ্যায়	
রামায়ণের উত্তরাকাণ্ডে উপকাহিনির প্রাসঙ্গিকতা	১০৭
চৈতালী ঘটক (রায়)	
সর্বপাপ হরে শুনিলে রামের চরিত	১১৪
উত্তরকাণ্ডের আধ্যাত্মিকতা	
শান্তনু চট্টোপাধ্যায়	
কৃত্তিবাসের রামচন্দ্র	১২৫
বৃন্দাবন বিশ্বাস	